दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनाँक : 24 /06/2022

प्रकाशनार्थ

आज दिनाँक 24 जून 2022 को दिग्विजयनाथ पी. जी. कॉलेज गोरखपुर एवं साइंस टेक इंस्टीटूट लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में ज़ूम एप के माध्यम से आयोजित सप्तदिवसिय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के तीसरे दिन मुख्य वक्ता डॉ निशा मणि पाण्डेय, के.जी.एम.यू. लुखनऊ ने "अनुसंधान में नैतिकता" विषय पर बोलते हुए कहा कि अनुसंधान इमानदारी से की गई एक प्रक्रिया है। इसमें गहन अध्ययन किया जाता है तथा विवेक एवं समझदारी से काम लिया जाता है क्योंकि यह एक लंबी प्रक्रिया है अतः इसमें धैर्य की आवश्यकता होती है। इस कार्य को पूर्ण करने के लिए अनावश्यक जल्दी नहीं करनी चाहिए। अपितु समस्या के संदर्भ में तथ्यों की व्यापक खोज की जानी चाहिए। नैतिकता वह सिद्धांत या दिशानिर्देश हैं जो हमें उन चीजों को बनाए रखने में मदद करते हैं जिन्हें हम महत्व देते हैं।

अनुसंधान एक बहु-चरणीय प्रक्रिया है। नैतिकता अनुसंधान प्रक्रिया के लिए केंद्रीय है। शोधकर्ताओं को इस प्रक्रिया के विभिन्न स्तरों पर विभिन्न नैतिक मुद्दों की देखभाल करने की आवश्यकता है। अनुसंधान के लिए कई नैतिक मुद्दों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए,अध्ययन में शामिल सभी लोगों की वास्तविक अनुमति और हितों को सुरक्षित करना।खोज की गई किसी भी जानकारी का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए, और प्रतिभागियों के प्रति एक निश्चित नैतिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।अध्ययन में लोगों के अधिकारों के साथ-साथ उनकी गोपनीयता और संवेदनशीलता की रक्षा करना भी एक कर्तव्य है।

मुख्य वक्ता सहित सभी का स्वागत डॉ परीक्षित सिंह ने,अभार ज्ञापन प्रोफ ओम प्रकाश सिंह, प्राचार्य ,दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज गोरखपुर ने ,कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती श्वेता सिंह (चैयरमेन मनराज कुंवर सिंह एजूकेशनल सोसाइटी) लखनऊ ने एवं संचालन प्रोफेसर आर के शुक्ला लखनऊ विश्वविद्यालय ने किया।

इस ऑनलाइन कार्यक्रम में सह संरक्षक प्रोफेसर पुरषोत्तम चक्रवर्ती, विजिटिंग प्रोफेसर, रटगर्स स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ़ न्यू जर्सी, यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ़ अमेरिका, महाविद्यालय के शिक्षक,अन्य महाविद्यालयों के शिक्षक सहित 231 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया।

उक्त जानकारी महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ शैलेश कुमार सिंह ने दिया।

डॉ शैलेश कुमार सिंह
मीडिया प्रभारी